Under CSR Support by ipca Foundation missiongyan

अध्याय - 2 | दो गौरैया (भीष्म साहनी)

QUIZ PART-04

1. **दूसरे दिन कौन-सा दिन था जब गौरैयाँ फिर से कमरे में मौजूद थीं?**
   A. सोमवार
   B. शनिवार
   C. रविवार (इतवार)
   D. शुक्रवार (C)

व्याख्या : दूसरे दिन इतवार था और उस दिन गौरैयाँ फिर से कमरे में मौजूद थीं।

2. **गौरैयों को बाहर निकालने के लिए पिताजी रोज किसका प्रयोग करने लगे थे?**
   A. झाड़ू
   B. लाठी
   C. डंडा
   D. तकिया (B)

व्याख्या : पिताजी रोज़ लाठी का प्रयोग करके गौरैयों को बाहर निकालने की कोशिश करते थे।

3. **पिताजी ने आखिर में क्या निश्चय किया?**
   A. चिड़ियों को दाना देंगे
   B. गौरैयों का घोंसला तोड़ देंगे
   C. दरवाजे बंद कर देंगे
   D. पंखा चला देंगे (B)

व्याख्या : पिताजी ने गुस्से में आकर गौरैयों का घोंसला तोड़ने का निश्चय किया।

4. **पिताजी ने घोंसला तोड़ने के लिए क्या सहारा लिया?**
   A. कुर्सी B. सीढ़ी
   C. मेज D. स्टूल (D)

व्याख्या : घोंसला तोड़ने के लिए पिताजी स्टूल पर चढ़ गए थे।

5. **घोंसले से बाहर लटकते तिनकों को देखकर वह कैसा प्रतीत हो रहा था?**
   A. टूटा-फूटा घोंसला
   B. गंदगी फैली है
   C. सजावट के लिए झालर टाँग रखी हो
   D. पत्तों का ढेर (C)

व्याख्या : घोंसले से बाहर लटकते तिनके ऐसे लग रहे थे जैसे सजावट के लिए झालर टाँग रखी हो।

6. **गौरैयाएँ किस स्थान पर चुपचाप बैठी थीं जब पिताजी घोंसला तोड़ रहे थे?**
   A. छत पर
   B. आँगन की दीवार पर
   C. खिड़की पर
   D. दरवाजे पर (B)

व्याख्या : दोनों गौरैयाएँ आँगन की दीवार पर चुपचाप बैठी थीं।

7. **गौरैयाओं की स्थिति कैसी हो गई थी?**
   A. मोटी और चहकती हुई
   B. दुबली और काली पड़ गई थीं
   C. घायल हो गई थीं
   D. बहुत खुश थीं (B)

व्याख्या : वे कुछ दुबली और काली पड़ गई थीं तथा चहक भी नहीं रही थीं।

8. **पिताजी ने घोंसले के तिनकों के साथ क्या किया?**
   A. उन्हें जला दिया
   B. उन्हें पानी में फेंक दिया
   C. लाठी से खींचा और घुमाया
   D. हाथ से हटाया (C)

व्याख्या : पिताजी ने लाठी का सिरा तिनकों पर रखकर खींचा और घुमाया जिससे तिनके अलग होने लगे।

9. **माँ ने तिनके गिरते देखकर क्या कहा?**
   A. अब चिड़ियाँ भाग जाएँगी
   B. अच्छा किया
   C. अब बाकी दो हजार भी निकल जाएँगे
   D. घोंसला बच जाएगा (C)

व्याख्या : माँ ने हँसते हुए कहा कि अब बाकी दो हजार तिनके भी निकल जाएँगे।

10. **इस प्रसंग से क्या सीख मिलती है?**
   A. अनावश्यक जिद नहीं करनी चाहिए
   B. चिड़ियों को भगाना चाहिए
   C. घोंसला तोड़ देना चाहिए
   D. लाठी का प्रयोग करना चाहिए (A)

व्याख्या : इस प्रसंग से सीख मिलती है कि अनावश्यक जिद से नुकसान होता है और सहनशीलता आवश्यक है।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App